www.railsamacharbureauald.com

सम्पूर्ण भारतीय रेल जगत का प्रथम पाक्षिक, प्रयागराज से प्रकाशित

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

रेल की पटरियाँ हमारे देश की विविधता को एकता के सूत्र में पिरोती हैं।

चलती रेलगाड़ी देश की धड़कन जैसी है–निरंतर, अडिग और जीवन से भरपूर

वर्ष–35 अंकः10 रेल समाचार ब्यूरो प्रयागराज 16–31 मई 2025 पृष्ठ 08 मूल्यः20 रु. मात्र + डाक खर्च (रंगीन सहित)

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अमरावती, आंध्र प्रदेश में 58,000 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया

भारत अब उन देशों में शामिल है जहां बुनियादी ढांचे का तेजी से आधुनिकीकरण हो रहा हैः प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने इन सभी परियोजनाओं को आंध्र प्रदेश की आर्थिक गति को तेज करने वाला कदम बताया और कहा कि एक आधुनिक रेलवे नेटवर्क, निवेश और पर्यटन को बढ़ावा देगा, जिससे हर नागरिक को लाभ होगा।

सूत्र-रे.स.ब्यू- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 02 मई, 2025 को आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती में ₹58,000 करोड़ से अधिक लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पण किया। उन्होंने भारतीय रेलवे में हुए ऐतिहासिक बदलावों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला, और बताया कि कैसे आंध्र प्रदेश रेलवे विकास के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि विकसित देशों की सफलता में मजबूत रेलवे नेटवर्क की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, और भारत भी उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि 2009 से 2014 के बीच आंध्र प्रदेश और तेलंगाना का संयुक्त रेल बजट ₹900 करोड़ से भी कम था। इसके विपरीत, आज अकेले आंध्र प्रदेश के लिए रेल बजट ₹9,000 करोड़ से अधिक है जो कि दस गुना से भी अधिक की वृद्धि है। यह अभूतपूर्व निवेश राज्य के हर कोने में रेल संपर्क और ढांचागत विकास को बढ़ावा देने के लिए किया गया है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि आंध्र प्रदेश देश का एकमात्र ऐसा राज्य बन गया है, जिसने 100 प्रतिशत रेलवे विद्युतीकरण पूरा कर लिया है। इससे न केवल पर्यावरण के प्रति संवेदनशील और टिकाऊ परिवहन सुनिश्चित हुआ है, बल्कि परिचालन लागत में भी कमी आई है। वर्तमान में, आंध्र प्रदेश में 8 जोड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें संचालित हो रही हैं, जो अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस हैं और राज्य को देश के विभिन्न हिस्सों से जोड़ती हैं। इसके अतिरिक्त, अमृत भारत ट्रेन, जो मध्यम दूरी के यात्रियों के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई है, वह भी राज्य में शुरू की गई है। पिछले 10 वर्षों में 750 से अधिक रेल फ्लाईओवर और अंडरपास का निर्माण किया गया है, जिससे ट्रैफिक जाम और दुर्घटनाओं में कमी आई है। वहीं, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत राज्य के 70 से अधिक रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। इन स्टेशनों को विश्वस्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है जैसे कि एस्केलेटर, लिफ्ट, वेटिंग लाउंज, डिजिटल साइनबोर्ड, और साफ-सुथरे प्लेटफॉर्म।

जोधपुर रेलवे स्टेशन पर जल्द मिलेगी विश्वस्तरीय यात्री सुविधाएं–वैष्णव

सूत्र-रे.स.ब्यू- दिनांक 5 मई को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अपने दौरे के दौरान कहा कि देश के ऐतिहासिक रेलवे स्टेशनों में शुमार जोधपुर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास सूर्यनगरी की समृद्ध विरासत का संरक्षण करते हुए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस महत्वाकांक्षी पुनर्विकास के पश्चात जोधपुर भव्य रेलवे स्टेशन बन जायेगा तथा यहां आने वाले प्रत्येक यात्री को एयरपोर्ट जैसी विश्व स्तरीय आधुनिक सुविधा मिलना प्रारंभ हो जाएगी। जोधपुर आए रेल मंत्री ने जोधपुर रेलवे स्टेशन के 474 करोड़ रुपए की लागत से कराए जा रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति का बारीकी से जायजा लिया। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में वैष्णव ने कहा कि जोधपुर रेलवे स्टेशन के सिरे से पुनर्निमाण का कार्य बेहद महत्वपूर्ण है तथा केंद्र सरकार के इस फैसले से यात्रियों को उच्च स्तरीय सुविधाएं मिलेगी। उन्होंने कहा कि जोधपुर रेलवे स्टेशन के विकास में दो बड़े उद्देश्य निहित है एक, शहर स्टेशन के दोनों ओर बढ़ गया है उसके हिसाब से इसका द्वितीय प्रवेश द्वार अच्छा व सुविधायुक्त बनाने की जरूरत थी और यह इस पुनर्विकास का एक बहुत महत्वपूर्ण पार्ट है। दूसरा,शहर के बढ़ते यातायात के मद्देनजर यात्रियों की सुविधा हेतु स्टेशन पर प्रवेश के लिए एक एलिवेटेड रोड बनाने का प्लान है जिससे आगन्तुकों को पार्किंग के लिए पर्याप्त जगह मिल सकेगी। रेल मंत्री ने कहा कि इन सब सुविधाओं के साथ ही रेलवे स्टेशन पर एक बहुत अच्छा और सुविधाजनक एयर कोनकोर्स व रूफ प्लाजा का निर्माण भी किया जाएगा जिस पर यात्री आराम से बैठकर अपनी ट्रेनों की प्रतीक्षा कर सकेंगे। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश के 85 रेलवे स्टेशनों का अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकास कराया जा रहा है। इस अवसर पर जोधपुर डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने रेल मंत्री को पुनर्विकास से संबंधित सभी आवश्यक जानकारियां मैप के माध्यम से दी।

इस अवसर पर उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय और जोधपुर मंडल के अनेक वरिष्ठ अधिकारी रेलमंत्री के साथ उपस्थित थे।

भगत की कोठी कार्गो टर्मिनल से उद्योगों को मिलेगा बढ़ावा

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस अवसर पर जोधपुर के भगत की कोठी रेलवे स्टेशन का जिक्र करते हुए कहा कि भगत की कोठी में रेल परियोजनाओं के विस्तार की बहुत जगह और संभावनाएं है और इसके पास विकसित किया जा रहे नए कार्गो टर्मिनल से विशेष कर आसपास के औद्योगिक क्षेत्र को लाभ मिलेगा।

नई ट्रेनों के संचालन पर बोले रेल मंत्री

जोधपुर से लंबी दूरी की नई ट्रेनों, वंदे भारत और नई रेल लाइनों के सवाल के जवाब में वैष्णव ने जानकारी दी की जोधपुर से ट्रेन के माध्यम से कुछ और शहरों से सीधी कनेक्टिविटी का प्लान है। इसके अतिरिक्त जोधपुर से सिकंदराबाद और अन्य स्टेशनों तक सीधी ट्रेनों के संचालन के प्रस्ताव भी लगातार मिल रहे हैं जिन पर गंभीरतापूर्वक विचार किया जा रहा है। इसके साथ ही जोधपुर से अन्य शहरों के बीच वंदे भारत ट्रेनों के संचालन के सवाल पर उन्होंने कहा कि इन सेमी हाई स्पीड ट्रेनों का भी चरणबद्ध तरीके से संचालन करने का प्लान है। उन्होंने बताया कि जोधपुर मंडल के लूनी-समदड़ी-भीलड़ी (272 किमी) रेल मार्ग के दोहरीकरण से ट्रेनों का आवागमन अधिक सुगम होगा।

- जोधपुर आए रेलमंत्री ने लिया रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का जायजा
- स्थानीय कला,संस्कृति और विरासत के संरक्षण से होगा पुनर्विकास
- द्वितीय प्रवेश द्वार को आकर्षक और सुविधाओं से सुसज्जित बनाने के निर्देश।

रेल मंत्री ने की समीक्षा, दिए निर्देश जरूरतमंदों के लिए चलाई गईं विशेष ट्रेनें

सूत्र/रे.स.ब्यू: जम्मू और चंडीगढ़ एयरपोर्ट के बंद होने के कारण फंसे यात्रियों की सहायता हेतु भारतीय रेल ने त्वरित कदम उठाते हुए विशेष ट्रेनों की व्यवस्था की थी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्वयं रेल परिचालन की समीक्षा की और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि लोगों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए विशेष गाड़ियों का संचालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा था कि सीमावर्ती क्षेत्रों में फंसे यात्रियों को राहत पहुंचाने के लिए रेलवे को अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ समन्वय बनाकर सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। मंत्री ने निर्देश दिया था कि नियमित ट्रेनों के अलावा आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त विशेष गाड़ियाँ भी चलाई जाएं। इन निर्देशों के तहत 9 मई, 2025 को जम्मू और उधमपुर से चार विशेष गाड़ियों का सफल संचालन किया गया, जिससे सैकड़ों यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचने में राहत मिली। रेलवे की इस त्वरित कार्यवाही से प्रभावित क्षेत्रों में यात्रियों को बड़ी सहूलियत मिली थी।

अवैध होटल पर बड़ी कार्रवाई

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 8 मई 2025 को मंडल रेल प्रबंधक श्री दीपक कुमार सिंह के निर्देशानुसार झांसी मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण कार्रवाई को अंजाम दिया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (फ्रेट) श्री नीरज भटनागर, सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री पंकज त्रिपाठी एवं सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री अनिल श्रीवास्तव के नेतृत्व में गठित एक विशेष टीम द्वारा वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी रेल सुरक्षा बल (RPF) थाने तथा रनिंग रूम के मध्य स्थित एक अवैध रूप से संचालित होटल को चिन्हित कर बंद करवाया गया। यह होटल RPF थाने के ठीक बगल में चल रहा था। यह होटल बिना किसी वैध अनुमति और सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हुए रेल परिसर में संचालित हो रहा था, जिससे रेल कर्मचारियों और यात्रियों की सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा था। जांच में यह भी पाया गया कि होटल संचालक द्वारा रेलवे की भूमि का अवैध रूप से उपयोग किया जा रहा था। यहीं से यह संचालक रात्रि कालीन गाड़ियों में अवैध खाद्य सामग्री भी पहुंचाता था। रेल प्रशासन द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि इस प्रकार की अवैध गतिविधियों के विरुद्ध 'शून्य सहनशीलता' की नीति अपनाई गई है और भविष्य में भी इस प्रकार की कार्रवाइयों को लगातार अंजाम दिया जाएगा। कार्रवाई के दौरान होटल संचालक को पकड़कर रेल सुरक्षा बल द्वारा झांसी RPF थाने में उचित कानूनी धाराओं के अंतर्गत बंद किया गया है तथा वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन के साथ विस्तृत जांच प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक ने की समीक्षा बैठक - अधोसंरचना कार्य, सेफ्टी एवं ट्रेन पंक्चुऐलिटी पर हुई चर्चा।

सूत्र/रे.स.ब्यू- पश्चिम मध्य रेलवे की महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय की अध्यक्षता में को-ऑर्डिनेशन रिव्यू मीटिंग आयोजित हुई। बैठक में अपर महाप्रबंधक श्री प्रमोद कुमार खत्री, प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी श्री प्रवीन खोराना, प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर श्री एम. विजय कुमार, प्रमुख मुख्य दूरसंचार एवं संकेत इंजीनियर श्री एकनाथ मोहकर, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक श्री गुरिंदर मोहन सिंह, प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक श्री कुशाल सिंह, प्रमुख मुख्य इंजीनियर श्री आशुतोष, प्रधान वित्त सलाहकार सुश्री मनजीत कौर, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री एस. डी. पाटीदार, प्रमुख मुख्य इलेक्ट्रिकल इंजीनियर श्री मुकेश, प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक श्री मनोज कुमार गुप्ता, प्रमुख मुख्य सुरक्षा आयुक्त श्री राजीव कुमार यादव एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) श्री एम. एस. हाशमी सहित अन्य विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। जबलपुर, भोपाल और कोटा के मंडल रेल प्रबंधक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े। बैठक में संरक्षा, पंक्चुऐलिटी, अधोसंरचना कार्य, अमृत स्टेशन पुनर्विकास, रेल मदद, माल ढुलाई आय वृद्धि तथा पूंजी व्यय योजना की समीक्षा की गई। महाप्रबंधक ने रेलवे बोर्ड के सुरक्षा निर्देशों के पालन, वेल्ड अनुरक्षण, मानसून तैयारी, सिग्नलों व रेल फ्रैक्चर की निगरानी और मानव त्रुटियों में कमी लाने पर जोर दिया। उन्होंने ट्रेनों की गति एवं समयपालन, स्टेशन निर्माण कार्यों को समयसीमा में पूर्ण करने, और यात्री सुविधाओं विशेषकर 'रेल मदद' एनालिसिस को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। अंत में उन्होंने मंडलों को सतर्कता के साथ संरक्षा अभियानों के पालन और कर्मचारियों के परामर्श पर बल दिया।

रेल से करें चार धाम की यात्राः यात्रा के लिए चलाई जा रही भारत गौरव डीलक्स ट्रेन।

सूत्र/रे.स.ब्यू- बद्रीनाथ, जगन्नाथ पुरी, रामेश्वरम और द्वारका देश की चार दिशाओं में अवस्थित चार ऐसे धाम हैं, जहां की यात्रा करना हर भारतीय की चाहत होती है। देश के इन चारों धाम की यात्रा अब रेल से कर पाना संभव है। इसके लिए भारतीय रेल द्वारा भारत गौरव डीलक्स टूरिस्ट ट्रेन चलाई जा रही है। इससे पहले भी भारतीय रेल दो बार चारों धाम को जोड़ने के लिए भारत गौरव डीलक्स टूरिस्ट ट्रेन का संचालन कर चुकी है। इस वर्ष दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से 27 मई को 17 दिवसीय चार धाम भारत गौरव डीलक्स यात्रा की शुरुआत होगी। इस यात्रा में बद्रीनाथ, माना गांव, नरसिंह मंदिर, जोशीमठ, ऋषिकेश, जगन्नाथ मंदिर, पुरी समुद्र तट, कोणार्क सूर्य मंदिर, चंद्रभागा समुद्र तट, रामेश्वरम में रामनाथस्वामी मंदिर और धनुषकोड़ी, द्वारका में द्वारकाधीश मंदिर, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग तथा भेंट द्वारका जैसी प्रमुख धार्मिक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। इस यात्रा में जाने वाले यात्री वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर, पुणे में भीमशंकर मंदिर और नासिक में त्र्यंबकक्षर मंदिर का भी दर्शन करेंगे। 17 दिनों की इस यात्रा में कुल 8425 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन में कई आधुनिक व आरामदायक सुविधाएं जोड़ी गई हैं, जैसे दो डायनिंग रेस्टोरेंट, एक मॉडर्न किचन, स्नान के लिए क्यूबिक स्नानघर, बायो-टॉयलेट युक्त वॉशरूम, फुट मसाजर, सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा गार्ड। यह ट्रेन पूर्णतया वातानुकूलित है, जिसमें फर्स्ट एसी, सेकंड एसी और थर्ड एसी की बुकिंग उपलब्ध है। इस ट्रेन का संचालन भारतीय रेल कैटरिंग एवं टूरिज्म कॉरपोरेशन (IRCTC) द्वारा किया जाएगा और टिकट की बिक्री आईआरसीटीसी की वेबसाइट के माध्यम से की जाएगी। एक पैकेज रेट निर्धारित किया गया है, जिसमें यात्रा टिकट, तीन सितारा होटल में ठहराव, तीनों समय का भोजन, साइटसीइंग, ट्रैवल इंश्योरेंस और टूर मैनेजर की सेवा शामिल है। इस ट्रेन में 150 सीटें उपलब्ध हैं, जिनकी बुकिंग पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर की जाएगी। ट्रेन से संबंधित विस्तृत जानकारी आईआरसीटीसी की वेबसाइट और वेब पोर्टल पर उपलब्ध है। भारतीय रेल के कार्यकारी निदेशक (सूचना एवं प्रचार) ने बताया कि देश के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों को जोड़ने के उद्देश्य से भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन का संचालन किया जाता है। इससे धार्मिक और पर्यटन दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण करना अब अधिक सुगम हो गया है।

प्रयागराज जंक्शन एवं प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर किलेबंदी कर चलाया गया सघन चेकिंग अभियान।

सूत्र/रे.स.ब्यू- मण्डल रेल प्रबंधक/प्रयागराज के नेतृत्व में रेल यात्रियों को सुरक्षित, सुखद और आरामदायक यात्रा के साथ बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए प्रयागराज मण्डल में बिना टिकट अनियमित टिकट, अनबुक लगेज एवं गंदगी फैलाने वालों पर अंकुश लगाने के लिए स्टेशनों एवं ट्रेनों में निरंतर चेकिंग अभियान चलाए जा रहे है। प्रयागराज मण्डल चेकिंग अभियान के साथ ही यात्रियों को जागरूक करने के लिए स्टेशनों पर स्टीकर, पोस्टर एवं एनाउंसमेंट के माध्यम से यात्रियों को उचित और वैध रेलवे टिकट के साथ यात्रा करने के लिए निरंतर जागरूक करता रहता है।

> **बिना टिकट यात्रा या अनियमित टिकिट के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है। भारतीय रेलवे के नियम के अनुसार, बिना टिकट यात्रा करते हुए पकड़े जाने पर जुर्माना लगाया जा सकता है या जेल हो सकती है या फिर दोनों हो सकते हैं। प्रयागराज मण्डल, उत्तर मध्य रेलवे अपने सभी सम्मानित रेल यात्रियों से अपील करता है कि असुविधा से बचने और सम्मान के साथ यात्रा करने के लिए उचित और वैध रेलवे टिकट के साथ यात्रा करें।**

इसी क्रम में:-

(1) दिनांक 12.05.2025 को सहायक मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, श्री संजय गौतम एवं मुख्य टिकट निरीक्षक, श्री संतोष कुमार के सुपरविजन में प्रयागराज जंक्शन एवं प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर किलेबंदी कर टिकट रहित, अनियमित यात्रा, अवैध वेंडिंग, गंदगी फैलाने वालों, धूम्रपान एवं अनबुक्ड लगेज के विरुद्ध अभियान चलाया गया। इस जांच अभियान में 31 टिकट निरीक्षक, 8 रेलवे सुरक्षा बल एवं 5 राजकीय रेलवे पुलिस कर्मियों ने मिलकर 20 गाड़ियों में चेकिंग अभियान चलाया। इस जांच अभियान में कुल 549 यात्रियों को प्रभारित कर 3,55,260/- रूपए जुर्माना वसूल किया गया। इनमें से 244 यात्रियों को बिना टिकट पकड़कर 2,00,660/- रुपये वसूल किए गए, 297 यात्रियों को अनियमित यात्रा में पकड़कर 1,53,800/- रुपये वसूल किए गए एवं गंदगी फैलाने वाले वाले 8 यात्री को प्रभारित कर 800/- रुपये वसूल किए गए।

(2) दिनांक 13.05.2025 को प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन पर वाणिज्य निरीक्षक, श्री ओम प्रकाश के सुपरविजन में 08 टिकट चेकिंग स्टाफ ने रेलवे सुरक्षा बल के साथ मिलकर टिकट चेकिंग अभियान चलाया। इस जांच अभियान मे गाड़ी संख्या 13201 पटना जंक्शन-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस, 19489 अहमदाबाद जंक्शन- गोरखपुर एक्सप्रेस, 22178 वाराणसी- छत्रपति शिवाजी टर्मिनस महानगरी सुपरफास्ट एक्सप्रेस, 22912 हावड़ा जंक्शन- इंदौर शिप्रा सुपरफास्ट एक्सप्रेस, 12321 हावड़ा जंक्शन-छत्रपति शिवाजी टर्मिनस सुपरफास्ट एक्सप्रेस, 12168 बनारस- लोकमान्य तिलक सुपरफास्ट एक्सप्रेस, 01124 मऊ-लोकमान्य तिलक स्पेशल एवं 09032 जयनगर-उधना जंक्शन स्पेशल की सघन जांच की गयी। इस जांच अभियान में कुल 131 यात्रियों को प्रभारित कर 90,400/- रूपए जुर्माना वसूल किया गया। इसमें 116 टिकट रहित यात्रा करने वाले यात्रियों को प्रभारित कर 88900/- रूपए एवं गंदगी फैलाने वाले 15 यात्रियों को प्रभारित कर से 1500/- रूपए का जुर्माना वसूल किया गया।

छत्रपति शिवाजी महाराज जी की विरासत के दर्शन कराएगी भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन।

> **यात्रियों से अनुरोध है कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा NTES/139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें।**

सूत्र/रे.स.ब्यू- हेरिटेज स्पेशल टूर में पर्यटकों को रायगढ़ किला, पुणे (लाल महल, कसबा गणपति और शिवसृष्टी), शिवनेरी किला, भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग, प्रतापगढ़ किला और कोल्हापुर (महालक्ष्मी मंदिर और पन्हाला किला) दिखाए जाएंगे। भारतीय रेल पहली बार 'छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट' पर हेरिटेज टूर का आयोजन करने जा रही है। इस टूर में मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन से जुड़े प्रमुख स्थलों को कवर किया जाएगा। भारत गौरव ट्रेन अपनी यात्रा की शुरुआत छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (CSMT) से करेगी, और कोंकण रेलवे नेटवर्क पर स्थित मंगांव रेलवे स्टेशन पहुंचेगी जो रायगढ़ किले का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन है। रायगढ़ वही ऐतिहासिक स्थल है, जहां शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक हुआ था और बाद में यह उनकी राजधानी भी बना। रायगढ़ किला घूमने के बाद पर्यटक ट्रेन पर वापस आएंगे और पुणे के लिए रवाना होंगे, जहां रात के खाने और होटल में रात्रि विश्राम की व्यवस्था होगी। यात्रा के दूसरे दिन पर्यटकों को पुणे के प्रमुख स्थलों - लाल महल, कसबा गणपति और शिवसृष्टी - दिखाए जाएंगे। लाल महल का निर्माण 1630 ई. में शाहाजी भोंसले ने अपनी पत्नी जीजाबाई और पुत्र शिवाजी के लिए करवाया था। वर्तमान संरचना 1984 में पुनर्निर्मित हुई है और इसमें छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन से जुड़ी तैल चित्रों की एक विशाल श्रृंखला लगी है। कसबा गणपति मंदिर, पुणे के ग्रामदेवता के रूप में प्रसिद्ध है जिसे 1893 में स्थापित किया गया। माना जाता है कि इस स्थान को छत्रपति शिवाजी की माता जीजाबाई द्वारा चुना गया था। इसके बाद से ही पुणे को भगवान गणेश का नगर कहा जाने लगा। पर्यटक यहां से शिवसृष्टी जाएंगे, जो छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित भारत का सबसे बड़ा थीम पार्क है। यहां पर्यटक 3D में शिवाजी के जीवन दर्शन और अन्य इंटरैक्टिव सेशंस का आनंद लेंगे। पुणे में रात्रि विश्राम के बाद पर्यटक यात्रा के तीसरे दिन पुणे से लगभग 95 किलोमीटर दूर स्थित शिवनेरी किले की यात्रा करेंगे, जो जुन्नर सिटी के पास एक पहाड़ी पर स्थित है। यह छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्मस्थान और मुस्लिम शासन के खिलाफ मराठा गौरव का प्रतीक है। इसी दिन दोपहर के भोजन के बाद पर्यटक 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग मंदिर के दर्शन करेंगे। इसके बाद रात्रि विश्राम के लिए पर्यटक पुणे लौटेंगे। 'छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट टूर' के लिए बहुप्रतीक्षित ट्रेन यात्रा 09 जून 2025 को प्रस्थान करेगी। 5 रात और 6 दिन की इस यात्रा की शुरुआत छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्टेशन से होगी। अत्याधुनिक भारत गौरव एसी टूरिस्ट ट्रेन, स्लीपर, सेकंड एसी और थर्ड एसी कोच के साथ कुल 748 पर्यटकों को समायोजित करने की क्षमता रखती है। पर्यटक इस टूरिस्ट ट्रेन में दादर और ठाणे रेलवे स्टेशनों से भी सवार हो सकते हैं। इस विरासत यात्रा के टिकट आईआर सीटीसी की वेबसाइट से बुक किए जा सकते हैं, जो पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर ऑनलाइन उपलब्ध है। चौथे दिन पर्यटक भारत गौरव ट्रेन के साथ सतारा के लिए प्रस्थान करेंगे और प्रतापगढ़ किले का भ्रमण करेंगे। यह वही ऐतिहासिक किला है जहाँ 1659 में अफजल खान और छत्रपति शिवाजी महाराज के बीच युद्ध हुआ था, जिसने मराठा साम्राज्य की नींव रखी। दिन में लंच के बाद ट्रेन अपने अंतिम गंतव्य कोल्हापुर के लिए रवाना होगी। पांचवें दिन की सुबह ट्रेन छत्रपति शाहू जी महाराज टर्मिनस, कोल्हापुर रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। यहां होटल में नाश्ते और तैयारियों के बाद पर्यटक महालक्ष्मी मंदिर (अंबाबाई) और फिर पन्हाला किला जाएंगे। सह्याद्रि पर्वत पर स्थित यह किला कई ऐतिहासिक लड़ाइयों का साक्षी रहा है। यहीं शिवाजी महाराज 500 दिनों तक रुके और फिर सफलतापूर्वक निकल भागे थे। पन्हाला किला अपने साँप-जैसे आकार के कारण 'फोर्ट ऑफ स्नेक्स' भी कहलाता है। यह किला शिवाजी महाराज और संभाजी महाराज के जीवन से जुड़ा है। यह स्थल शिवाजी महाराज के कमांडर बाजी प्रभु देशपांडे की वीरता के लिए भी याद किया जाता है। यहां से देर शाम को ट्रेन मुंबई के लिए वापसी यात्रा पर निकलेगी और छठे दिन सुबह मुंबई पहुंचेगी। इस यात्रा का आयोजन भारतीय रेल के टूरिज्म एंड कैटरिंग कॉरपोरेशन द्वारा किया जा रहा है, जिसमें होटल में रात्रि विश्राम, शाकाहारी भोजन, बसों के जरिए दर्शनीय स्थल भ्रमण, यात्रा बीमा और टूर एस्कॉर्ट आदि की सुविधाएं मिलेंगी।

रेलवे लोको पायलट्स के लिए तनाव प्रबंधन की नई राह - कानपुर में सुदर्शन क्रिया से मिला समाधान

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 13 मई, 2025 को बहु विषयक मंडल प्रशिक्षण संस्थान/कानपुर में रनिंग कर्मचारियों के लिए आर्ट ऑफ लिविंग के 'मेडिटेशन एवं ब्रेथ प्रोग्राम' के अंतर्गत वर्कशॉप आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में सुदर्शन क्रिया के माध्यम से लोको पायलट्स को तनाव प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया गया। यह क्रिया आर्ट ऑफ लिविंग के प्रशिक्षित योगाचार्यों द्वारा सिखाई गई। ज्ञातव्य है कि 30 अप्रैल, 2025 को प्रयागराज मंडल ने आर्ट ऑफ लिविंग के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत संस्था रेलवे कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं तनाव प्रबंधन पर कार्य कर रही है। यह पहल संरक्षा श्रेणी के कर्मचारियों को सजग और तनावमुक्त रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर श्री यतेन्द्र कुमार के निर्देशन में हुआ। इसमें कुल 120 लोको पायलट्स एवं सहायक लोको पायलट्स ने भाग लिया। इस अवसर पर संस्थान के प्रधानाचार्य श्री अभिषेक सिंह, श्री बी.एम. राना एवं श्री योगेश कुमार उपस्थित रहे। आर्ट ऑफ लिविंग की पेटेंटेड तकनीक सुदर्शन क्रिया एक प्रभावी श्वास प्रणाली है, जो मानसिक तनाव को दूर करने में सहायक है। लोको पायलट्स एवं शंटिंग जैसे उच्च दायित्व वाले पदों पर कार्यरत कर्मचारियों के लिए यह प्रशिक्षण विशेष रूप से उपयोगी है।

प्रधानमंत्री से मिले केंद्रीय रेल राज्यमंत्री श्री रवनीत बिट्टू, भारत की जीत पर जताई खुशी, पंजाब के विकास पर हुई विस्तृत चर्चा

सूत्र/रे.स.ब्यू-केंद्रीय रेल राज्यमंत्री श्री रवनीत सिंह बिट्टू ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर श्री बिट्टू ने हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की शानदार जीत पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और कठिन परिस्थितियों में प्रधानमंत्री द्वारा प्रदर्शित किए गए धैर्य और प्रभावशाली नेतृत्व की सराहना की। शिष्टाचार भेंट के दौरान पंजाब के समग्र विकास, आर्थिक प्रगति और युवाओं के लिए अवसर स जन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा हुई। श्री बिट्टू ने प्रधानमंत्री से राज्य के लिए नई योजनाओं और निवेश की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। प्रधानमंत्री मोदी ने भी पंजाब की वर्तमान धार्मिक और राजनीतिक परिस्थितियों पर अपने विचार साझा किए और प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया।

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक ने लखनऊ थर्माइट पोर्शन प्लांट और बाराबंकी जंक्शन का किया निरीक्षण, विकास कार्यों की प्रगति पर विशेष जोर

सूत्र/रे.स.ब्यू- उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा ने लखनऊ में स्थित थर्माइट पोर्शन प्लांट का निरीक्षण कर उत्पादन प्रक्रियाओं की गहन समीक्षा की। उन्होंने संयंत्र में निर्माण की गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों तथा उत्पादन दक्षता को सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। श्री वर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता न हो और तय मानकों का पूरी तरह पालन किया जाए। इसके पश्चात महाप्रबंधक महोदय ने बाराबंकी जंक्शन रेलवे स्टेशन का दौरा किया। उन्होंने 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत वर्तमान में प्रगति पर चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन के बुनियादी ढांचे के उन्नयन, यात्री सुविधाओं के विस्तार, स्वच्छता व्यवस्था, सर्कुलेटिंग एरिया के सुधार और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की विस्तृत समीक्षा की। श्री वर्मा ने बाराबंकी जंक्शन में प्रेस व मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद भी किया। उन्होंने बताया कि अमृत भारत योजना के अंतर्गत स्टेशन को एक आधुनिक, सुलभ और यात्रियों के लिए सुविधाजनक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने भविष्य की योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए बताया कि यह कार्य यात्रियों को बेहतर अनुभव देने की दिशा में एक अहम कदम है। निरीक्षण के दौरान रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

गोरखपुर रेलवे क्लब में खेलों को मिला नया मंच – महाप्रबंधक ने किया स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का शुभारंभ

सूत्र/रे.स.ब्यू- महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे सुश्री सौम्या माथुर ने रेलवे क्लब, गोरखपुर में नवनिर्मित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का शुभारम्भ 10 मई, 2025 को फलक अनावरण एवं फीता काटकर किया। इस अवसर पर अपर महाप्रबन्धक श्री दिनेश कुमार सिंह सहित सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ रेल अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित थे। इस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 30 मीटर लम्बा तथा 15 मीटर चौड़ा तरणताल का निर्माण किया गया है। इसमें व्यायाम हेतु अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त एक जिम तथा इनडोर गेम का भी प्रावधान किया गया है। इनडोर गेम में शतरंज तथा कैरम रखा गया है, जिससे यहां आने वाले सदस्य इसका लुफ्त उठा सकेंगे। इस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के माध्यम से स्वस्थ मनोरंजन के साथ ही शारीरिक व्यायाम हेतु समुचित व्यवस्था की गई है। यहां तरणताल के साथ चेंजिंग रूम, प्रसाधन तथा बैठने हेतु उत्तम व्यवस्था की गई है।

अब ट्रेन में भी मिलेगा एटीएम! पंचवटी एक्सप्रेस में हुआ भारत का पहला 'ATM on Wheels' लॉन्च

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाते हुए देश की पहली ट्रेन में एटीएम मशीन लगाने की अनोखी पहल की है। यह प्रयोग महाराष्ट्र की मनमाड सीएसएमटी पंचवटी एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12110) में किया गया है, जिसे *'ATM on Wheels'* नाम दिया गया है। रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने इस इनोवेटिव सुविधा का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व में ट्विटर) पर साझा किया, जो देखते ही देखते वायरल हो गया। यात्रियों को अब यात्रा के दौरान नकदी निकालने के लिए स्टेशन पर उतरने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिससे सफर और भी आसान हो गया है। यह सेवा यात्रियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शुरू की गई है और आने वाले समय में इसे अन्य ट्रेनों में भी लागू करने की संभावना है। इस पहल से न केवल यात्रियों को सुविधा मिलेगी, बल्कि यह रेलवे के डिजिटलीकरण और यात्री अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में भी एक सराहनीय प्रयास है।

उत्तर मध्य रेलवे बना ऊर्जा संरक्षण में अग्रणी जोन।

सूत्र/ रे.स.ब्यू- उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) का बिजली विभाग पर्यावरण संरक्षण और सतत ऊर्जा उपयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को एक मिशन के रूप में आगे बढ़ा रहा है। एनसीआर ने अपने कार्यालय भवनों को 'शून्य' और 'शून्य-प्लस' ऊर्जा प्रमाणीकरण दिलाने हेतु कार्य योजना तैयार की है, जो रेलवे में हरित ऊर्जा को अपनाने की दिशा में मिसाल है। इस योजना के तहत भवनों की कुल ऊर्जा खपत का आकलन कर, विश्वस्तरीय तकनीकों व सौर पैनलों की मदद से स्व-निर्भर ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित की जाती है। परिणामस्वरूप, ऊर्जा संरक्षण ब्यूरो (BEE) द्वारा इन्हें 'शून्य' और 'शून्य-प्लस' प्रमाणपत्र प्रदान किए गए हैं।

वर्ष 2024-25 की प्रमुख उपलब्धियाँः

- नसीआर के 10 भवनों को BEE प्रमाणीकरण प्राप्त हुआ हैः धौलपुर (राजस्थान) का यात्री आरक्षण कार्यालय, झांसी वैगन मरम्मत कारखाना परिसर का प्रशिक्षण केंद्र, अलीगढ़ पार्सल कार्यालय, कानपुर विद्युत लोको शेड के 4 भवन, तथा प्रयागराज स्थित महाप्रबंधक कार्यालय के 3 भवन।

भविष्य की संभावनाएँः

- अगली सूची में 19 भवनों की पहचान की गई है, जिनमें BEE प्रमाणीकरण की पूर्ण संभावना है - जैसे सूबेदारगंज स्टेशन, एम.डी. डी.टी.आई. कानपुर, खजुराहो व टीकमगढ़ स्टेशन, और झांसी वैगन कारखाना परिसर के अन्य भवन।

सौर ऊर्जा उत्पादन में उल्लेखनीय प्रगतिः

- अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक 12.7 मेगावाट क्षमता से 11.87 मिलियन यूनिट स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन हुआ, जिससे ₹5.34 करोड़ की बचत और लगभग 9968 मीट्रिक टन CO_2 उत्सर्जन में कमी आई।

आगामी योजनाः

- जून 2025 तक 17.84 मेगावाट के नए सौर संयंत्रों से 32.3 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन, ₹14.9 करोड़ की अनुमानित बचत और 27187 मीट्रिक टन CO_2 उत्सर्जन में कमी का लक्ष्य है।

राष्ट्रीय मान्यताः

- राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2023', 'उत्तर प्रदेश ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2024' (प्रथम स्थान), एवं सूबेदारगंज स्टेशन को 'सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट' प्राप्त हुआ है।

उत्तर मध्य रेलवे, हरित ऊर्जा की दिशा में देशभर में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

रेलवे ट्रैक पर संरक्षा के लिए पूर्व मध्य रेल द्वारा उठाए गए कई कदम।

सूत्र/रे.स.ब्यू- पूर्व मध्य रेल द्वारा सुरक्षित एवं बाधारहित रेल परिचालन के लिए कई कदम उठाए गए हैं। इसी कड़ी में रेलवे ट्रैकों का नवीनीकरण, महत्वपूर्ण रेलखंडों की फेंसिंग, घनी आबादी वाले क्षेत्रों में चहारदीवारी आदि के बाद कई रेलखंडों में ट्रेनों की गति सीमा में वृद्धि की गई है। रेलवे द्वारा यात्री सुरक्षा के मद्देनजर एफओबी/ एलएचएस/सब-वे के निर्माण सहित यात्री सुरक्षा/संरक्षा के लिए कई कदम उठाए गए हैं। सोशल मीडिया सहित विभिन्न प्रचार माध्यमों द्वारा नुक्कड़ नाटक का मंचन आदि के माध्यम से रेलवे ट्रैक से उचित दूरी बनाए रखने की सलाह दी जाती रही है। विदित हो कि गलत तरीके से रेलवे ट्रैक पार करने के कारण जनवरी 2025 से मार्च 2025 तक पूर्व मध्य रेल के विभिन्न रेलखंडों में लगभग 335 लोगों की दुर्भाग्यपूर्ण रूप से पैदल या वाहन के साथ ट्रेन से टकराकर मृत्यु हो गई। इनमें दानापुर मंडल में 136, सोनपुर मंडल में 22, समस्तीपुर मंडल में 66, पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल में 62 तथा धनबाद मंडल में 49 लोगों की अवैध रूप से रेलवे ट्रैक पार करने के दौरान ट्रेन से टकराकर मृत्यु हुई। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि जल्दबाजी में रेल पटरी पार कर अपने जीवन को खतरे में न डालें। साथ ही एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म पर जाने के लिए सदैव सब-वे या फुट ओवर ब्रिज का प्रयोग करें। रेलवे ट्रैक के आस-पास हमेशा सतर्क रहें तथा रेलवे ट्रैक से पर्याप्त दूरी बनाए रखें। रेलवे ट्रैक को हमेशा अधिकृत समपार फाटकों से ही पार करें। अनधिकृत रूप से रेलवे ट्रैक पार करना गैरकानूनी तथा जानलेवा है।

नकली डी.आर.एम. पहुंचे जेल और भरा जुर्मानाः सतर्क टिकट चेकिंग एवं आरपीएफ स्टाफ ने पकड़ा फर्जी डी.आर.एम.

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 29.04.25 को टिकट चेकिंग स्टाफ श्री अमरजीत सिंह गाड़ी संख्या 12138 पंजाब मेल में अपनी नियमित ड्यूटी पर थे। इस दौरान जब वह ट्रेन की जांच कर रहे थे, तब उन्हें प्रथम श्रेणी वातानुकूलित H/A&1 कोच के कूपे सं. 'बी' में एक व्यक्ति यात्रा करता हुआ मिला। जब उससे परिचय पूछा गया तो उसने स्वयं को मंडल रेल प्रबंधक बताया। सतर्क स्टाफ ने संदेह होने पर उससे परिचय पत्र एवं ट्रैवल अथॉरिटी मांगी, पर वह व्यक्ति कोई भी ऐसा प्रपत्र प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद श्री सिंह ने रेलवे सुरक्षा बल को सूचना दी। आरपीएफ द्वारा पूछताछ करने पर उस व्यक्ति ने अपना नाम वरुण सहगल बताया, परंतु न तो उसके पास कोई पहचान पत्र था और न ही ऐसा कोई अधिकृत कागजात जिससे उसकी पहचान सिद्ध हो सके। इसके उपरांत बीना स्टेशन पर टीटीई द्वारा मेमो देकर रेलवे सुरक्षा बल बीना के सहायक उपनिरीक्षक श्री कंचन कुमार ताम्रकार तथा राजकीय रेलवे पुलिस के सहायक उपनिरीक्षक श्री केवल सिंह को उक्त व्यक्ति के संबंध में सूचित किया गया। परंतु गाड़ी को सिग्नल मिल जाने के कारण उसे बीना में नहीं उतारा जा सका। इसके पश्चात उक्त व्यक्ति को दो स्टाफ सदस्यों के साथ भोपाल भेजा गया। इसी क्रम में टीटीई द्वारा उक्त फर्जी डी.आर.एम. महोदय से ₹4170 किराया एवं जुर्माना वसूला गया। ट्रेन के भोपाल स्टेशन पर पहुंचने पर टीटीई के मेमो के आधार पर राजकीय रेलवे पुलिस भोपाल उक्त व्यक्ति को अग्रिम कार्रवाई हेतु अपने साथ ले गई। जीआरपी थाना भोपाल द्वारा प्रस्तुत तहरीर के आधार पर रेलवे सुरक्षा बल, भोपाल पोस्ट द्वारा अपराध क्रमांक 1621/25 धारा 145, 146 के अंतर्गत आरोपी वरुण सहगल पर रेलवे अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई, जिसके अंतर्गत माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी पर ₹1500 का जुर्माना तथा रेलवे रसीद संख्या G976507 के तहत ₹4100 का दंड किया गया है। यात्रियों से अनुरोध है कि उचित यात्रा प्रपत्र/टिकट लेकर ही यात्रा करें। अन्यथा जुर्माना या जेल अथवा दोनों हो सकते हैं, एवं व्यक्तिगत सम्मान की सामाजिक हानि भी हो सकती है।

संपादकीय

आतंक के विरुद्ध भारत का संयमित पराक्रम

22 अप्रैल **2025** को पहलगाम में पाकिस्तान-प्रेरित आतंकवादियों ने बर्बर हमला किया, जिसमें धर्म पूछकर 26 निर्दोषों की हत्या की गई। यह हमला भारत को भीतर से विभाजित करने की कुत्सित योजना थी। इसके प्रत्युत्तर में भारत ने ऑपरेशन 'सिंदूर' शुरू किया-एक लक्ष्यभेदी, संतुलित और गैर-उकसावे वाली सैन्य कार्रवाई। भारत ने स्पष्ट किया कि हमले का उद्देश्य केवल आतंकवाद के अड्डों को निशाना बनाना था, न कि पाकिस्तानी सेना को। इसके बावजूद पाकिस्तान ने धार्मिक स्थलों पर ड्रोन और मिसाइल से हमला कर अपनी मंशा उजागर कर दी। ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने 11 पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर सटीक हमले कर आतंकवादियों के अड्डों को नष्ट किया। पहली बार भारत ने एक परमाणु शक्ति संपन्न देश के एयरबेस पर इतनी प्रभावी कार्रवाई की। पाकिस्तान की वायुसेना को भारी क्षति पहुंची। सैन्य जवाब के साथ-साथ भारत ने डिजिटल मोर्चे पर भी पाकिस्तान के दुष्प्रचार का विवेकपूर्ण और तथ्यों पर आधारित प्रतिकार किया। प्रेस वार्ताओं के माध्यम से भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर पारदर्शिता बनाए रखी। भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित कर पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर रणनीतिक दबाव बनाया और द्विपक्षीय व्यापार बंद कर कड़ा संदेश दियो''रक्त और जल एक साथ नहीं बह सकते।'' इस संकट में भारत ने जहां अपनी सैन्य दक्षता दिखाई, वहीं संयम, रणनीति और कूटनीति के समन्वय से देश की संप्रभुता की रक्षा भी सुनिश्चित की।

आरडीएसओ अस्पताल में रोगियों की सुविधा के लिए लगाए गए अत्याधुनिक मोटराइज्ड बेड

सूत्र/रे.स.ब्यू- रोगियों की सुविधा और स्वास्थ्य देखभाल को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में आरडीएसओ अस्पताल लगातार आधुनिक चिकित्सा प्रगति को अपनाने के लिए प्रयासरत है। इसी क्रम में अस्पताल में 38 नवीनतम तकनीक से युक्त मोटराइज्ड बेड स्थापित किए गए हैं। ये उन्नत बेड आधुनिक सुविधाओं जैसे समायोज्य ऊँचाई, बैकरेस्ट और लेग सपोर्ट की पोजिशनिंग, आसान मूवमेंट और उपयोगकर्ता के अनुकूल रिमोट कंट्रोल ऑपरेशन से सुसज्जित हैं। इन बेडों को विशेष रूप से इस तरह डिजाइन किया गया है कि अस्पताल में भर्ती रोगियों को अधिकतम आराम, सुरक्षा और सुविधा मिल सके। इन आधुनिक बेडों की स्थापना से आरडीएसओ अस्पताल में भर्ती मरीजों को एक सम्मान-जनक और आरामदायक उपचार अनुभव मिलने की उम्मीद है। यह पहल न केवल रोगियों की देखभाल के स्तर को ऊंचा उठाएगी, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं में गुणवत्ता और आधुनिकता का नया मानदंड भी स्थापित करेगी।

भारतीय रेल ट्रैक मशीन प्रशिक्षण केंद्र का महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे ने किया निरीक्षण

सूत्र/रे.स.ब्यू- उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री उपेंद्र चंद्र जोशी ने भारतीय रेल ट्रैक मशीन प्रशिक्षण केंद्र (आईआरटी-एमटीसी) का निरीक्षण किया। प्रांगण में महाप्रबंधक के आगमन पर स्वागत मुख्य अभियंता, ट्रैक मशीन, उत्तर मध्य रेलवे, श्री गौरव वर्मा ने किया। स्वागत उपरांत उन्होंने आईआरटीएमटीसी के नक्शे के साथ आधुनिक ट्रैक रखरखाव में प्रशिक्षण केंद्र की महत्ता पर प्रकाश डाला। साथ ही, यहां की प्रशिक्षण क्षमता पर प्रकाश डालते हुए भविष्य में नए मशीनों के आगमन पर प्रशिक्षण की बढ़ती मांग से भी महाप्रबंधक महोदय को अवगत कराया। महाप्रबंधक ने प्रशिक्षण की आधुनिक तकनीकों से लैस इस संस्थान में मौजूद आधुनिक टैम्पिंग मशीन टैम्पिंग एक्सप्रेस के सिम्युलेटर का भी जायजा लिया। इस सिम्युलेटर की सहायता से रेल पथ का रख-रखाव करने वाली मशीन के विभिन्न संचालनों से नए प्रशिक्षुओं को अवगत कराया जाता है, जिससे प्रशिक्षुओं को मशीनों में कुशल संचालन करने में मदद मिलती है। ज्ञात हो कि आईआरटीएमटीसी विश्व में मात्र तीसरा ऐसा प्रशिक्षण केंद्र है जहाँ ट्रैक मशीन का तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण क्षमता के आधार पर यह विश्व का सबसे बड़ा ट्रैक मशीन प्रशिक्षण संस्थान है। इसी क्रम में आगे बढ़ते हुए आईआरटीएमटीसी के प्रधानाचार्य श्री संजय अस्थाना ने मुख्य अभियंता श्री गौरव वर्मा के साथ संस्थान में मौजूद विभिन्न प्रयोगशालाओं में मौजूद आधुनिक उपकरणों के विषय में अवगत कराया। प्रयोगशालाओं के निरीक्षण के दौरान तकनीकी चर्चा में महाप्रबंधक महोदय ने ट्रैक मशीन की चुनौतियों को समझते हुए अपने कई सुझाव एवं आवश्यक मार्गदर्शन दिया। भारत का एकमात्र प्रशिक्षण केंद्र होने के कारण यहाँ मौजूद 'फोटो एवं आर्काइव गैलरी' की व्यवस्था से भी उत्तर मध्य रेलवे के मुखिया को अवगत कराया गया, जिसमें रखे भारतीय रेल ट्रैक मशीन के विभिन्न धरोहर एवं विरासती पुर्जों की महाप्रबंधक ने सराहना की।

त्रिपुरा सुंदरी एक्सप्रेस में हथियारों का जखीरा पकड़ा गया – RPF ने 8 देसी पिस्तौल और 16 मैगजीन बरामद कीं।

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेलवे सुरक्षा बल (RPF) ने त्रिपुरा सुंदरी एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 14620) में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए हथियारों की तस्करी की कोशिश को नाकाम कर दिया। बदरपुर से अगरतला के बीच सफर के दौरान, RPF की ट्रेन एस्कॉर्ट टीम ने जनरल कोच की तलाशी के दौरान दो संदिग्ध पिट्ठू बैग जब्त किए, जिनमें से 8 हस्तनिर्मित देसी पिस्तौल और 16 मैगजीन बरामद की गई। RPF अधिकारियों के अनुसार, अगरतला पोस्ट के सुरक्षा कर्मी वर्तमान सुरक्षा स्थिति को देखते हुए गहन निगरानी अभियान चला रहे थे। इसी दौरान जनरल कोच की ऊपरी सीट पर छोड़े गए दो बैगों की जांच की गई। बैगों में भूरे रंग के सेलो टेप में लिपटे हथियार पाए गए। बरामद हथियारों को RPF पोस्ट अगरतला में जमा कर आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए सौंप दिया गया है। मामले की जांच GRPS/अगरतला ने शुरू कर दी है।

संतरागाछी-अजमेर-संतरागाछी साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा की संचालन अवधि में 07 ट्रिप का विस्तार।

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु संतरागाछी अजमेर संतरागाछी साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा की संचालन अवधि में 07 ट्रिप का विस्तार किया जा रहा है। गाड़ी संख्या 08611/08612, संतरा-गाछी अजमेर संतरागाछी साप्ताहिक स्पेशल गाड़ी संख्या 08611, संतरा-गाछी अजमेर साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा दिनांक 19.05.25 से 30.06.25 तक (07 ट्रिप) संतरागाछी से प्रत्येक सोमवार को 19:55 बजे रवाना होकर बुधवार को 15:00 बजे अजमेर पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 08612, अजमेर संतरागाछी साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा दिनांक 22.05.25 से 03.07.25 तक (07 ट्रिप) अजमेर से प्रत्येक गुरुवार को 23:40 बजे रवाना होकर शनिवार को 14:30 बजे संतरागाछी पहुंचेगी। नोटः उक्त रेलसेवा में डिब्बों की अवसंरचना, संचालन समय एवं ठहराव यथावत रहेंगे। यात्रियों से अनुरोध है कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा NTES/139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें।

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सदस्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशिः

१. उच्चतम अधिकारी-5000 रु. मात्र
२. उच्च अधिकारी- 3500 रु. मात्र
३. अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
४. रेलकर्मी/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव

पंजिकृत कार्यालय

502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।

कैंप कार्यालय- अनिल केन (रिपोर्टर) कार्यालय 8439 आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-55

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव वि. इलाहाबाद ब्लॉक वर्क्स प्रा. लि. 329/255 चक. जीरो रोड इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
आर.एन. आई नं. 51097-90
पोस्ट ए.डी.-8
मो. 9773946044 / 9793956044
फोन नं. 0532-2418040

पाठको से अनुरोध

आपको यह अंक कैसा लगा ? इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते हैं ?
कृपया अपने सुझावों से अवश्य ही अवगत कराएं जिससे हम पत्रिका में सुधार कर सकें। हमें आपके सुझाव का इंतजार रहेगा।

प्रधान संपादक

रेलवे बोर्ड से करही-सगमा के बीच नई कॉर्ड रेल लाइन को स्वीकृति मिली

सूत्र/रे.स.ब्यू-क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने और यात्री सुविधाओं के विस्तार की दिशा में निर्णय मध्य प्रदेश में रेल बुनियादी ढांचे को मजबूती प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, रेलवे बोर्ड ने पश्चिम मध्य रेल (डब्ल्यूसीआर) क्षेत्र के तहत एक महत्वपूर्ण नई रेल लाइन परियोजना को स्वीकृति प्रदान की है। प्रस्तावित कॉर्ड रेल लाइन करही और सगमा के बीच 5.31 किलोमीटर की है, इस नई रेल लाइन परियोजना को रूपये 165.20 करोड़ की लागत से स्वीकृति प्रदान की गई है। प्रदेश में कनेक्टिविटी बढ़ाने के उद्देश्य से रेलवे परियोजनाओं की स्वीकृति और विकास में महत्वपूर्ण कदम है। अम्ब्रेला वर्क के तहत प्रस्तावित करही से सगमा (5.31 किमी.) के बीच कॉर्ड रेल लाइन रेल कनेक्टिविटी के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका उद्देश्य लाइनों की क्षमता में वृद्धि, फ्लाई ओवर एवं बाईपास लाइनों के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाना है। करही स्टेशन सतना-पन्ना-खजुराहो निर्माणाधीन नई लाइन पर एक नया स्टेशन है, और सगमा स्टेशन सतना-मानिकपुर-प्रयागराज डबल लाइन रूट पर स्थित है। वर्तमान में सतना-मानिकपुर खंड की लाइन क्षमता की उपयोगिता 120% है, जो आगामी वर्ष 2027 तक इसकी उपयोगिता 143% तक बढ़ने का अनुमान है। ललितपुर-सिंगरौली नई रेल परियोजना के अंतर्गत रीवा-सिंगरौली के बीच नई लाइन का कार्य भी प्रगति पर है। करही और सगमा के बीच प्रस्तावित द्वि-दिशात्मक कॉर्ड लाइन ललितपुर-सिंगरौली नई लाइन को इटारसी-मानिकपुर मौजूदा लाइन से जोड़ेगी। इससे मानिकपुर-पन्ना इसके विपरीत जाने वाली ट्रेनों को सतना जंक्शन स्टेशन पर जाए बिना सीधे चलने में सुविधा होगी और इस तरह सतना में इंजन को बदलना नहीं पड़ेगा, जिससे समय की बचत होगी। यह रेल संपर्क क्षेत्रीय व्यापार, गतिशीलता और संसाधनों तक पहुंच को बढ़ावा देगा। करही से सगमा कॉर्ड रेल लाइन बनने से मध्य प्रदेश के महत्वपूर्ण राज्यों सतना, पन्ना एवं खजुराहो के पर्यटक संपर्क को मजबूती मिलेगी। सतना एवं पन्ना औद्योगिक शहर है, जिनमें प्रचुर मात्रा में सीमेंट और खनिज उद्योग हैं, जो मध्य प्रदेश के कई हिस्सों को जोड़ता है। इस लाइन से क्षेत्र में माल ढुलाई, औद्योगिक विकास, पर्यटन और बेहतर यात्री संपर्क में मदद मिलने की उम्मीद है।

दतिया स्टेशन पर गाड़ी संख्या 22469/22470 खजुराहो-निजामुद्दीन वंदे भारत एक्सप्रेस के ठहराव का शुभारंभ।

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक : 13.05.2025 को दतिया स्टेशन पर गाड़ी संख्या 22469/22470 खजुराहो-निजामुद्दीन वंदे भारत एक्सप्रेस के ठहराव का शुभारंभ माननीय सांसद श्रीमती संध्या राय जी द्वारा मंडल रेल प्रबंधक की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर संपन्न किया गया। यह ऐतिहासिक पहल क्षेत्रीय यात्रियों की सुविधा, शैक्षिक तथा औद्योगिक स्तर में बढ़ोतरी के साथ-साथ रेलवे विकास में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी। उद्घाटन समारोह में वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) श्री आशुतोष चौरसिया, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अमन वर्मा, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक (सामान्य) श्री संजय कुमार, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री विवेकानंद नारायण, वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनियर श्री नितिन गुप्ता सहित अन्य निरीक्षक व पर्यवेक्षक उपस्थित रहे। गाड़ी संख्या 22469/22470 खजुराहो-हजरत निजामुद्दीन-खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस के दतिया रेलवे स्टेशन पर प्रायोगिक रूप से ठहराव से निम्न स्टेशनों में निम्नानुसार परिवर्तन किया गया है :

गाड़ी संख्या 22469 (खजुराहो से हजरत निजामुद्दीन):
दतिया स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान: 18:42 - 18:44 बजे

ग्वालियर स्टेशन पर नया ठहराव समय : 19:28 - 19:33 बजे
गाड़ी संख्या 22470 (हजरत निजामुद्दीन से खजुराहो):
दतिया स्टेशन पर ठहरावः 09:59 - 10:01 बजे
वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन पर नया ठहराव समय : 10:30 - 10:35 बजे।

महिला कल्याण संगठन द्वारा समर हॉबी कोर्स का शुभारम्भ

सूत्र/रे.स.ब्यू- उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन, मुख्यालय, प्रयागराज की ओर से प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी दिनांक 16-05-2025 से रेलवे अधिकारियों/कर्मचारियों के बच्चों तथा नॉन रेलवे कर्मचारियों के बच्चों के लिए समर हांबी कोर्स का शुभारम्भ श्रीमती चेतना जोशी, अध्यक्षा महोदया, सचिव श्रीमती ऋचा वर्मा और सभी विभागाध्यक्ष के मार्गदर्शन और सहयोग से हुआ। इस कोर्स की क्लासेस कलरव, रेलगाँव कालोनी, सूबेदारगंज में आयोजित की गयी है। दिनांक 10.06.2025 तक चलने वाले समर हांबी कोर्स में स्केटिंग, ताइक्वान्डो, आर्ट एवं क्राफ्ट एवं डांस कोर्सेस को प्रशिक्षित प्रशिक्षकों द्वारा सिखाया जायेगा। संगठन द्वारा समर हांबी कैम्प कराने का उद्देश्य बच्चों को खुद को आजाद करने और अच्छा समय बिताने के लिए एक सुरक्षित माहौल प्रदान करना है। शिविर की अधिकांश गतिविधिय मौज-मस्ती करने पर केंद्रित होती हैं, साथ ही साथ बच्चों को जीवन कौशल सिखाती हैं, लचीला बनाती हैं और उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा देती हैं। इससे आत्मविश्वास और क्षमता की भावना विकसित करने में मदद मिलती है, जो वयस्कता में स्वतंत्रता के लिए आवश्यक निर्माण खंड के रूप में काम करते हैं।

रेलवे और छोटा भीम की अनोखी साझेदारी से बढ़ेगी जन जागरूकता और सुरक्षा

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेलवे सुरक्षा और जन जागरूकता को रचनात्मक तरीके से जन-जन तक पहुंचाने के लिए पश्चिम रेलवे ने देश के लोकप्रिय एनिमेटेड कैरेक्टर 'छोटा भीम' के साथ एक विशेष साझेदारी की है। इस एक वर्षीय अभियान के तहत छोटा भीम और उसके साथी किरदारों का उपयोग विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर किया जाएगा ताकि यात्रियों, खासकर बच्चों और परिवारों के बीच रेलवे सुरक्षा, स्वच्छता और जिम्मेदारीपूर्ण यात्रा के संदेश को प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके। यह पहल न केवल मनोरंजन और शिक्षा को जोड़ती है, बल्कि रेलवे की आउटरीच रणनीति को भी एक नया आयाम देती है। छोटे-बड़े सभी आयु वर्गों में लोकप्रिय छोटा भीम अब रेलवे सुरक्षा का चेहरा बनकर देशभर में यात्रियों को जागरूक करेगा। इस सहयोग की औपचारिक घोषणा 2 मई 2025 को मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में आयोजित

'विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन (WAVES 2025)' के दौरान की गई। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक और ग्रीन गोल्ड एनिमेशन प्रा. लि. के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक श्री राजीव चिलाकलापुडी ने इस अवसर पर सहयोग पत्र पर हस्ताक्षर किए।

राष्ट्रीय आयुष मिशन सम्मेलन का पहला दिन आयुष सहयोग को मजबूत बनाने का मार्ग प्रशस्त करते हुए राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के आयुष/स्वास्थ्य मंत्रियों की सक्रिय भागीदारी का साक्षी बना ।

सूत्र/रे.स.ब्यू- राष्ट्रीय आयुष मिशन (NAM) सम्मेलन 2025 की शुरुआत 14 मई को कैवल्यधाम, लोनावाला (महाराष्ट्र) में हुई। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित यह दो दिवसीय सम्मेलन देशभर में आयुष सेवाओं के सशक्तीकरण और विस्तार हेतु भविष्य की रणनीति निर्धारित करता है। केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, मिजोरम और सिक्किम सहित कई राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। सम्मेलन में 12,500 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की स्थापना, 2021 में 1.5 करोड़ से बढ़कर 2025 में 11.5 करोड़ लाभार्थियों तक पहुँच और बढ़ते बजटीय आवंटन (2014 में ₹78 करोड़ से बढ़कर 2025-26 में ₹1,275 करोड़) जैसे प्रमुख उपलब्धियाँ साझा की गईं। वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव, आयुष मंत्रालय ने कहा कि आयुष प्रणालियाँ आज वैश्विक रुचि के केंद्र में हैं। एनएसएसओ (2022-23) के अनुसार, 95% ग्रामीण और 96% शहरी भारतीय आयुष से परिचित हैं। सम्मेलन में 5 चयापचयी विकारों (डायबिटीज, मोटापा, गठिया, NAFLD और डिस्लिपिडेमिया) हेतु मानक उपचार दिशानिर्देश (STG) भी जारी किए गए, जो योग, आहार और नैदानिक प्रक्रियाओं को एकीकृत करते हैं। एक गोलमेज चर्चा में राज्यों ने अपने अनुभव साझा किए और NAM की प्रभावशीलता को लेकर सुझाव दिए। वाई-ब्रेक सत्र में मंत्रियों व अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

योग संगम स्वास्थ्य के लिए वैश्विक एकजुटता का प्रतीक है – योग और उससे परे मानवता को एकजुट करने वाली एक आक्तिशाली मुहिमः श्री प्रतापराव जाधव

सूत्र/रे.स.ब्यू- योग की पवित्र भूमि नासिक के पंचवटी स्थित गौरी मैदान में मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (MDNIY) और आयुष मंत्रालय द्वारा योग महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 6,000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (IDY) 2025 की 50-दिवसीय उलटी गिनती का प्रतीक बना। केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने उद्घाटन करते हुए योग के वैश्विक प्रभाव और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों को रेखांकित किया। उन्होंने 'योग संगम पोर्टल' का शुभारंभ किया, जो 21 जून को 1,00,000 स्थानों पर समन्वित योग प्रदर्शन के लिए पंजीकरण की सुविधा देगा। इस अवसर पर सांसद श्री भास्कर भगारे, विधायकगण श्रीमती देवयानी फरांडे, श्रीमती सीमा हीरे, श्री राहुल ढिकालेय एमयूएचएस की कुलपति डॉ. माधुरी कानिटकर, योगविद डॉ. विश्वास मांडलिक और आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुश्री मोनालिसा दाश उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में सामान्य योग प्रोटोकॉल का प्रदर्शन डॉ. काशीनाथ समागंडी के नेतृत्व में हुआ। सुश्री मोनालिसा दाश ने "वसुधैव कुटुम्बकम्" के भाव को दोहराया और योग के वैश्विक संदेश को साझा किया। यह आयोजन IDY 2025 के दस प्रमुख हस्ताक्षर कार्यक्रमों में से एक "योग संगम" का हिस्सा है। अन्य कार्यक्रमों में "योग बंधन", "योग पार्क", "योग समावेश", "योग प्रभाव", "योग कनेक्ट", "हरित योग", "योग अनप्लग्ड", "योग महाकुंभ" और "सम्योगम्" शामिल हैं।

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा वितरण के लिए नए सिरे से जोर देते हुए एनएएम सम्मेलन के दूसरे दिन का समापन किया।

सूत्र/रे.स.ब्यू- लोनावला, महाराष्ट्र स्थित कैवल्यधाम में आयोजित राष्ट्रीय आयुष मिशन (NAM) कॉन्क्लेव 2025 के दूसरे दिन आयुष सेवाओं की गुणवत्ता, नियामक सुदृढ़ता और निवेश अवसरों पर विस्तृत चर्चा हुई। दिन की शुरुआत "औषधीय पौधों सहित गुणवत्तापूर्ण सेवाएं" विषय पर सत्र IV से हुई, जिसका समन्वयन डॉ. ए. रघु, डीडीजी (आयुष), डीजीएचएस ने किया। इसमें आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (AAM) और अस्पतालों में IPH Standards लागू करने हेतु जून 2026 तक 30%, 2028 तक 40% और 2029 तक 50% अनुपालन लक्ष्य पर बल दिया गया। डॉ. महेश कुमार दाधीच, सीईओ, राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (NMPB) ने औषधीय पौधों के संरक्षण और जैव विविधता में उनकी भूमिका को रेखांकित किया। डॉ. साकेत राम थ्रीगुल्ला ने आयुष ग्रिड की प्रस्तुति दी। केरल, यूपी, तेलंगाना, बिहार, मणिपुर और अंडमान-निकोबार के प्रतिनिधियों ने नवाचार साझा किए। सत्र V में भ्रामक विज्ञापनों पर निगरानी और गुणवत्ता आश्वासन पर डॉ. रमन कौशिक और डॉ. गालिब (AIIA, दिल्ली) ने विचार रखे। गुजरात, कर्नाटक, असम, तमिलनाडु ने अपनी सफल पहल साझा कीं। अंतिम सत्र में श्री इंद्रनील दास (इन्वेस्ट इंडिया) और डॉ. सुरुचि मित्तर (CIO) ने 2014 में 2.85 बिलियन USD से 2023 में 23 बिलियन USD तक की वृद्धि बताई, जो 2030 तक 200 बिलियन USD लक्ष्य की ओर अग्रसर है। 1 मई को हुए उद्घाटन में श्री प्रतापराव जाधव, वैद्य राजेश कोटेचा, डॉ. प्रेम चंद बैरवा (राजस्थान), डॉ. दयाशंकर मिश्रा (UP), श्री श्याम बिहारी जायसवाल (छत्तीसगढ़) सहित कई मंत्री उपस्थित रहे। आयुष STG विमोचन और संयुक्त सचिव कविता गर्ग द्वारा साझा की गई उपलब्धियाँ इस सम्मेलन की मुख्य झलक रहीं।

केन्द्रीय आयुष मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए साप्ताहिक योग पॉडकास्ट की शुरूआत की।

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुष मंत्रालय ने मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (MDNIY) के सहयोग से एक नई डिजिटल पहल के तहत साप्ताहिक योग पॉडकास्ट की शुरुआत की है। इसका शुभारंभ केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्रि श्री प्रतापराव जाधव ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से किया। यह पॉडकास्ट योग के शाश्वत ज्ञान को आधुनिक जीवनशैली से जोड़ते हुए घर-घर तक पहुँचाने का प्रयास है। इसका उद्देश्य सभी उम्र और पृष्ठभूमि के लोगों को निर्देशित अभ्यास, विशेषज्ञ साक्षात्कार और प्रासंगिक चर्चा के माध्यम से योग से जोड़ना है। इस पहल की प्रेरणा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 30 मार्च 2025 को ''मन की बात'' कार्यक्रम के 120वें एपिसोड में दिए गए संबोधन से मिली, जिसमें उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 की थीम ''एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग'' को रेखांकित किया। यह विषय योग की शारीरिक, मानसिक और पर्यावरणीय कल्याण में भूमिका पर केंद्रित है।

Scan the Code for the Latest Verified
RAILWAYS NEWS ON OUR WEBSITE OR E-PAPER
हमारी वेबसाइट या ई-पेपर पर भारतीय रेलवे के सत्यापित समाचार को पढ़ने के लिए कोड को स्कैन करें
www.railsamacharbureauald.com
SCAN QR

नीति से व्यवहार तकः राष्ट्रीय आयुष मिशन के प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, निसर्ग ग्राम, पुणे में प्राकृतिक चिकित्सा का गहन अध्ययन किया।

सूत्र/रे.स.ब्यू- कैवल्यधाम, लोनावला में दो दिवसीय राष्ट्रीय आयुष मिशन (NAM) कॉन्क्लेव 2025 के बाद, देशभर से आए 100 वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान (NIN), निसर्ग ग्राम, पुणे का दौरा किया। इस यात्रा का उद्देश्य एकीकृत स्वास्थ्य सेवा अनुभव को गहरा करना और आयुष आधारित सार्वजनिक स्वास्थ्य वितरण की सर्वोत्तम प्रथाओं को समझना था। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुश्री कविता गर्ग ने किया। इसमें उत्तर प्रदेश सरकार के प्रमुख सचिव (आयुष) श्री रंजन कुमार, पश्चिम बंगाल सरकार के विशेष सचिव एवं महानिदेशक (आयुष) श्री विवेक कुमार सहित विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ NAM अधिकारी शामिल थे। दौरे की शुरुआत निसर्ग ग्राम सभागार में दीप प्रज्वलन और स्वागत समारोह से हुई। NIN की निदेशक प्रो. (डॉ.) के. सत्य लक्ष्मी ने संस्थान की शिक्षा, नैदानिक सेवाएं और अनुसंधान गतिविधियों पर विस्तृत प्रस्तुति दी। छात्रों द्वारा प्रस्तुत योग प्रदर्शन ने पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों पर संस्थान के जोर को दर्शाया। प्रतिनिधियों ने 25 एकड़ में फैले परिसर का दौरा किया, जिसमें अस्पताल ब्लॉक, गांधी मेमोरियल हॉल, शैक्षणिक भवन, और आवासीय परिसर शामिल रहे। अन्नपूर्णा मेस में सात्विक भोजन परोसा गया। यात्रा का समापन बापू भवन में चिंतन सत्र के साथ हुआ, जो गांधीजी के आत्म-देखभाल और प्रकृति- आधारित उपचार के मूल्यों को समर्पित है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटित निसर्ग ग्राम में 213.55 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है, जिसमें 250 बिस्तरों वाला अस्पताल, बहु- विषयक अनुसंधान केंद्र, मेडिकल कॉलेज और वेलनेस कॉटेज शामिल हैं।

केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद ने दो दुर्लभ आयुर्वेदिक पांडुलिपियों को पुनर्जीवित कियाः द्रव्यरत्नाकरनिघण्टुः और द्रव्यनामाकरनिघण्टुः

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुष मंत्रालय के अधीन केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (CCRAS) ने पारंपरिक चिकित्सा की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने हेतु दो महत्वपूर्ण पांडुलिपियो-द्रव्यरत्नाकरनिघण्टुः और द्रव्यनामाकरनिघण्टुः-का पुनरुद्धार किया है। इन ग्रंथों का विमोचन राजा रामदेव आनंदीलाल पोदार (RRAP) केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, मुंबई में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में किया गया। कार्यक्रम में CCRAS के महानिदेशक प्रो. वैद्य रविनारायण आचार्य ने पारंपरिक साहित्य के डिजिटलीकरण और पुनरुद्धार पर मुख्य भाषण दिया। पांडुलिपियों का आलोचनात्मक संपादन व अनुवाद डॉ. सदानंद डी. कामत ने किया, जो अनुभवी पांडुलिपिविज्ञानी और आयुर्वेद विशेषज्ञ हैं। विमोचन समारोह में श्री रंजीत पुराणिक (अध्यक्ष, आयुर्वेद प्रसारक मंडल एवं एमडी, श्री धूतपेश्वर लिमिटेड), डॉ. रवि मोरे (प्राचार्य, सायन आयुर्वेद महाविद्यालय), डॉ. श्याम नाबर, डॉ. आशानंद सावंत और डॉ. आर. गोविंद रेड्डी (सहायक निदेशक, CARI, मुंबई) भी उपस्थित रहे।

पांडुलिपियों का परिचयः

- द्रव्यरत्नाकरनिघण्टुः (1480 ई.), मुद्गल पंडित द्वारा रचित, 18 अध्यायों में औषधियों के पर्यायवाची, गुण व उपयोग को विस्तार से बताता है। यह ग्रंथ महाराष्ट्र में 19वीं सदी तक व्यापक रूप से प्रचलित था।
- द्रव्यनामाकरनिघण्टुः, भीष्म वैद्य द्वारा रचित, धन्वंतरि निघण्टु का परिशिष्ट है और औषधियों के समानार्थक शब्दों पर केंद्रित है। इसमें 182 श्लोक व 2 कोलोफोन श्लोक हैं।

प्रो. आचार्य ने कहा, ''ये ग्रंथ केवल ऐतिहासिक दस्तावेज नहीं, बल्कि जीवित ज्ञान प्रणालियां हैं, जो समकालीन स्वास्थ्य सेवा को बदल सकती हैं।'' यह पुनरुद्धार छात्रें, शिक्षकों और चिकित्सकों के लिए अमूल्य संसाधन साबित होगा।

केंद्रीय आयुष मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 की तैयारियों की समीक्षा की।

सूत्र/रे.स.ब्यू- केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने 7 मई 2025 को नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (IDY) 2025 की तैयारियों की समीक्षा हेतु बैठक की अध्यक्षता की। यह वैश्विक आयोजन 21 जून 2025 को मनाया जाएगा। बैठक के दौरान श्री जाधव ने योग को "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य" के आदर्श के साथ जोड़ते हुए कहा, "हम पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहे हैं ताकि IDY 2025 केवल एक आयोजन न हो, बल्कि संपूर्ण विश्व के लिए प्रेरणा बन सके। योग के माध्यम से हम समग्र कल्याण का संदेश हर कोने तक पहुँचाना चाहते हैं।" श्री जाधव ने युवाओं, शैक्षणिक संस्थानों और सामुदायिक नेताओं को इस महाअभियान से जोड़ने पर विशेष बल दिया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, जिसकी शुरुआत 2015 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा की गई थी, अब एक वैश्विक सांस्कृतिक और स्वास्थ्य आंदोलन का स्वरूप ले चुका है। IDY 2025 को अधिक समावेशी, पर्यावरण-जागरूक और वैश्विक रूप से प्रभावी बनाने की दिशा में सरकार सक्रिय प्रयास कर रही है।

आयुष मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में समीक्षा के दौरान चार प्रमुख पहलों पर चर्चा हुईः

- योग संगम–स्कूलों, अस्पतालों और कॉरपोरेट संस्थानों के साथ योग का एकीकरण
- हरित योग – वृक्षारोपण अभियानों के माध्यम से पर्यावरण-जागरूकता का प्रसार
- योग कनेक्ट – प्रवासी भारतीयों और वैश्विक समुदाय की भागीदारी
- योग बंधन – समाज में एकता और सहभागिता को बढ़ावा देना

जिनेवा में पारंपरिक चिकित्सा के मित्रों के समूह (जीएफटीएम) की छठी बैठक आयोजित हुई।

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारत के स्थायी मिशन (PMI), जिनेवा द्वारा 9 मई 2025 को पारंपरिक चिकित्सा के मित्रों के समूह (GFTM) की छठी बैठक का सफल आयोजन किया गया। इस बैठक में विभिन्न देशों के राजनयिकों और प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जिसका उद्देश्य वैश्विक स्वास्थ्य प्रणालियों में पारंपरिक चिकित्सा की भूमिका को सुदृढ़ करना था। गुजरात घोषणापत्र और पूर्व बैठकों की सफलता पर आधारित यह बैठक WHO की पारंपरिक चिकित्सा रणनीति 2025–2034 और दूसरे वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा शिखर सम्मेलन (24 दिसंबर 2025, भारत) का समर्थन करती है। इस अवसर पर आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने वर्चुअल माध्यम से मुख्य भाषण दिया। उन्होंने कहा, "GFTM, भारत की पहल पर मई 2023 में बना एक अनौपचारिक मंच है, जो WHO सदस्य देशों को पारंपरिक चिकित्सा के एकीकरण पर चर्चा का अवसर देता है।" उन्होंने वैश्विक स्वास्थ्य लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में पारंपरिक चिकित्सा की भूमिका, और राष्ट्रीय आयुष मिशन, आयुष आरोग्य मंदिर, बीमा कवरेज, तथा आईसीएमआर, डीबीटी, डीएसटी और सीएसआईआर जैसे संस्थानों के साथ मिलकर किए गए सहयोगात्मक अनुसंधान का उल्लेख किया। उन्होंने उभरते क्षेत्रों AI, जीनोमिक्स और बायोइन्फ मैटिक्सें में भारत के फोकस को भी रेखांकित किया, जो पारंपरिक ज्ञान को सशक्त बनाने और वैश्विक स्वास्थ्य में योगदान हेतु अहम हैं। बैठक की मेजबानी जिनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने की। विशेष उल्लेखनीय बात यह है कि GFTM 23 मई 2025 को WHA78 के इतर एक उच्च-स्तरीय कार्यक्रम की मेजबानी करेगा, जिसका शीर्षक होगाः "पारंपरिक चिकित्साः पारंपरिक विरासत से लेकर सभी के स्वास्थ्य हेतु अग्रणी विज्ञान तक।" भारत GFTM और आयुष के माध्यम से समावेशी, निवारक और प्रकृति-आधारित वैश्विक स्वास्थ्य की दिशा में नेतृत्व कर रहा है।

आयुर्वेद दिवस हर वर्ष 23 सितंबर को मनाया जाएगा

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारत सरकार ने 23 मार्च 2025 को जारी राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से यह ऐतिहासिक निर्णय लिया है कि हर वर्ष 23 सितंबर को आयुर्वेद दिवस मनाया जाएगा। यह बदलाव अब तक धनतेरस (कार्तिक मास, चंद्र कैलेंडर आधारित) पर मनाए जाने वाले आयुर्वेद दिवस से महत्वपूर्ण प्रस्थान है। पूर्व व्यवस्था में तिथि हर वर्ष बदलती थी, जिससे राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर कार्यक्रम आयोजन में बाधाएं आती थीं। आयुष मंत्रालय ने बताया कि आगामी दशक में धनतेरस की तिथि 15 अक्टूबर से 12 नवंबर के बीच बदलती रहेगी। इसी असंगति को दूर करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित की गई, जिसने चार संभावित तिथियां सुझाईं। इन विकल्पों में 23 सितंबर को श्रेष्ठ और व्यावहारिक विकल्प माना गया। 23 सितंबर को शरद विषुव (Autumnal Equinox) होता है, जब दिन और रात बराबर होते हैं। यह प्रकृति के संतुलन का प्रतीक है, जो आयुर्वेद दर्शन-मन, शरीर और आत्मा के संतुलन-से पूरी तरह मेल खाता है। यह खगोलीय घटना ब्रह्मांडीय सामंजस्य और प्राकृतिक जीवनशैली का प्रतिनिधित्व करती है, जिसे आयुर्वेद अपनाने का संदेश देता है। आयुर्वेद दिवस का उद्देश्य आयुर्वेद को वैज्ञानिक, साक्ष्य-आधारित, समग्र चिकित्सा प्रणाली के रूप में वैश्विक मंच पर स्थापित करना है। इस स्थायी तिथि के निर्धारण से अंतरराष्ट्रीय भागीदारी, अकादमिक सहयोग, और सार्वजनिक स्वास्थ्य योजनाओं को स्थायित्व मिलेगा। आयुष मंत्रालय ने स्वास्थ्य पेशेवरों, शिक्षाविदों और वैश्विक साझेदारों से 23 सितंबर को आयुर्वेद दिवस को अपनाने और उत्सव में सक्रिय भागीदारी का आग्रह किया है। यह निर्णय आयुर्वेद को वैश्विक स्वास्थ्य विमर्श में अधिक मजबूती से स्थापित करने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम है।

BEAT THE HEAT : Comprehensive Guidelines to Prevent Heat-Related Illnesses

Source/RSB-With the onset of intense summer heat across various parts of India, the risk of heat-related illnesses such as heat exhaustion, dehydration, and heatstroke has significantly increased. The elderly, children, pregnant women, and individuals working outdoors especially construction workers, traffic police personnel, and laborers are among the most vulnerable. This summer, it is crucial for every citizen to take preventive measures to safeguard themselves and others from the potentially life-threatening effects of extreme heat.

Understanding Heat-Related Illnesses

Exposure to excessive heat, especially during the peak hours of the day (12 noon to 4 PM), can overwhelm the body's ability to cool itself. Common heat-related conditions include:

- **Dehydration:** Excessive loss of fluids leading to weakness and dizziness.
- **Heat Exhaustion:** Characterized by heavy sweating, fatigue, headache, nausea, and rapid pulse.
- **Heat Stroke:** A medical emergency that occurs when body temperature rises above 40.5°C (105°F), resulting in confusion, unconsciousness, and, if untreated, even death.

Key Warning Signs to Watch Out For

Knowing the early signs can make a life-saving difference. Look out for:

- Excessive sweating • Muscle cramps
- Dizziness and lightheadedness • Headache
- Vomiting or nausea • Rapid breathing or heartbeat
- Dry, red, and hot skin (in severe cases)
- Confusion or altered mental state • Loss of consciousness

Preventive Measures for Individuals

To protect yourself and your family:

- **Hydration is key:** Drink water at regular intervals, even if not thirsty. Include natural drinks like lemon water, buttermilk, coconut water, ORS, and seasonal fruits like watermelon and cucumber.
- **Dress wisely:** Wear light-colored, loose-fitting cotton clothes. Avoid synthetic materials.
- **Avoid the sun:** Stay indoors between 12 PM and 4 PM. If going out is necessary, cover your head with a cap or umbrella and wear sunglasses.
- **Cooling practices:** Bathe in cool water twice a day. Stay in shaded or well-ventilated areas.
- **Avoid alcohol and caffeine:** These increase dehydration.

Safety for Cyclists, Commuters & Outdoor Workers

- Avoid long commutes during extreme heat.
- Use protective gear, helmets with ventilation, and take frequent breaks.
- Drink water every 15–20 minutes if working outdoors.

First Aid Measures for Heatstroke

If you suspect someone is suffering from a heatstroke:
Move them to a cool, shaded area.
Remove excess clothing.
Spray cold water on the body or sponge with cold water.
Fan them to promote cooling.
Offer cool water in small sips (if conscious).
Seek immediate medical attention.

Institutional Responsibilities

Employers, especially those running factories and outdoor operations, should:

- Provide clean, cool drinking water and shaded rest areas.
- Avoid assigning heavy work during peak heat hours.
- Provide ORS sachets and cooling breaks.
- Display heat safety instructions in local languages at worksites.
- Arrange for emergency medical kits and first-aid support.

Things to Avoid

- Do not venture outside on an empty stomach.
- Never leave children, elderly, or pets inside parked vehicles.
- Avoid wearing black or dark-colored clothing.
- Reduce protein-rich, spicy, and fried food intake during peak heat days.

Stay Informed, Stay Safe

Citizens are advised to stay updated via official channels and follow government advisories. Let's work together to raise awareness and prevent heat-related tragedies this summer. Remember, a little precaution can go a long way in saving lives. Stay hydrated, stay protected, and encourage those around you to do the same.

●●●

Kollam Railway Station Set for World-Class Makeover with RITES at the Helm

Passenger Experience to Reach New Heights with Modern Terminals, Multilevel Parking & Divyang-Friendly Facilities

Source/RSB- Kollam Railway Station is undergoing a massive transformation as part of Indian Railways' modernization drive, with RITES Ltd. delivering comprehensive end-to-end services. The upgraded station will boast world-class infrastructure including modern terminals, seamless concourses, escalators, lifts, and multi-level parking. A special focus has been placed on accessibility, with Divyang-friendly facilities integrated throughout the station. The redevelopment aims to streamline passenger flow, enhance operational efficiency, and deliver a future-ready travel experience. With this facelift, Kollam is all set to emerge as a modern transport hub-combining convenience, inclusivity, and global standards of comfort under one roof.

●●●

KEC and Hindalco Pioneer India's First Copper-Silver Contact Wire for Metro Rails

Source/RSB- In a breakthrough for Indian engineering, KEC International and Hindalco Industries Ltd. have successfully developed the country's first Copper-Silver (Cu-Ag) contact wire for metro rail systems. This milestone was achieved under the leadership of Mr. Vimal Kejriwal, MD & CEO of KEC International, and Mr. Rohit Pathak, CEO – Copper at Hindalco Industries Ltd. The new contact wire, with a cross-sectional area of 150 sq.mm, has been co-developed in collaboration with Delhi Metro Rail Corporation (DMRC). Engineered to perform efficiently under high-speed and high-temperature conditions, this Cu-Ag contact wire is poised to significantly improve the reliability and longevity of metro operations.

NHSRCL Participates in UIC Asia-Pacific Regional Assembly in New Delhi

Source/RSB- The National High-Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL) participated in the UIC Asia-Pacific Regional Assembly events held on 15th May 2025 in New Delhi. The sessions included discussions on ongoing and upcoming railway infrastructure projects, sustainability efforts, and technological innovations shared by member countries from across the Asia-Pacific region. NHSRCL's presence highlighted India's commitment to modern rail solutions and global collaboration, while fostering dialogue on shaping the future of rail transportation

IRCON Awarded ₹51.6 Crore Contract by North Western Railway for Smart Rail Monitoring Systems

Source/RSB- IRCON International Ltd. has secured a significant contract worth ₹51.6 crore from North Western Railway for the implementation of Remote Diagnostics and Predictive Maintenance Systems across major railway divisions in Rajasthan. This project will see the deployment of advanced monitoring systems in four critical sections:

- RE–MD section of Jaipur Division
- MD–PNU section of Ajmer Division
- RE–BTI section of Bikaner Division
- MTD–LUNI section of Jodhpur Division

The total contract value stands at ₹51,61,72,418.81. IRCON will execute the work within 24 months from the issuance of the Letter of Acceptance (LoA). The systems aim to improve asset reliability, enhance safety, and enable proactive maintenance by utilizing real-time diagnostics a major boost for operational efficiency in these divisions.

GPT Infraprojects Secures ₹32.29 Cr Order from Eastern Railway

Source/RSB- Kolkata-based GPT Infraprojects Ltd. has landed a fresh contract worth ₹32.29 crore from Eastern Railway for the manufacturing and supply of Mono Block Pre-Stressed Concrete Line Sleepers. This new order marks a promising start for fiscal 2025, bringing the total order inflow to ₹32.29 crore for the year. With this addition, the company's overall order book has now reached an impressive ₹3,488.65 crore, reinforcing its strong position in the infrastructure segment.

AVG Logistics Bags ₹198 Cr Indian Railways Contract

Source/RSB- AVG Logistics Ltd has clinched a significant ₹198 crore contract with Indian Railways for operating a Parcel Cargo Express Train (PCET) corridor between Agartala/Guwahati and Delhi/Ludhiana. This dedicated freight initiative will run four round trips monthly, totaling 313 trips over the six-year agreement. Initially set to transport 364 tonnes per trip, the cargo capacity is slated to increase to 484 tonnes after six months-marking a major step forward in efficient, long-haul logistics connectivity.

New Chapter in Regional Connectivity: Thalkal–Kushtagi Stretch of Gadag–Wadi Line Inaugurated

Source/SCR- On 15 May 2025 a significant milestone in enhancing regional rail connectivity was achieved with the inauguration of the Thalkal–Kushtagi section of the new Gadag–Wadi railway line. The ceremony was held at Kushtagi Railway Station and led by Shri V. Somanna, Minister of State for Railways. Marking the occasion, Shri Somanna also flagged off the inaugural run of the Kushtagi–SSS Hubballi passenger train, heralding a new era of mobility and economic opportunity for the region. The ceremony was attended by Shri Shivaraj S. Tangadagi, Hon'ble Minister for Backward Classes Welfare, Kannada & Culture, and District In-charge Minister for Koppal; Shri Basavaraj Rayareddy, MLA and Chief Economic Advisor to the Hon'ble Chief Minister; Shri Doddanagouda H. Patil, Hon'ble MLA from Kushtagi; Shri Nalin Atul, Deputy Commissioner of Koppal; Smt. Hemalata Nayak, Hon'ble MLC; former Ministers Shri Halappa Achar and Shri Virupakshappa; former MLAs Shri Basavaraj Dadesugur, Shri Amaregouda Patil Bayyapur, and Shri Pratapgouda Patil, along with senior officials from Indian Railways.

GENERAL MANAGER INSPECTS JAI HIND BIMANBANDAR TO MOTHER'S WAX MUSEUM METRO STATION STRETCH OF ORANGE LINE

Source/RSB- Shri P. Uday Kumar Reddy, General Manager, Metro Railway inspected Jai Hind Bimanbandar to Mother's Wax Museum Metro station stretch of Orange Line on 03.05.2025. Senior officers of Metro Railway and Rail Vikas Nigam Limited (RVNL) accompanied him during this inspection. Shri Reddy also inspected the Box Pushing location inside Airports Authority of India (AAI) premises. General Manager started his inspection from Jai Hind Bimanbandar station. He inspected Tunnel Ventilation System, Entry and Exit Points, AFC-PC Gates, Platforms, and Electrical Sub-station of this station. At Mother's Wax Museum station, Shri Reddy inspected the Entry and Exit Points, Platforms, and different passenger amenities to be available here. He instructed officials to complete the scheduled work within the stipulated deadline.

Modern Makeover in Motion at Bargarh Road Railway Station, Odisha

Source/RSB- Bargarh Road Railway Station in Odisha is currently undergoing a significant transformation as part of Indian Railways' mission to upgrade passenger amenities and station infrastructure. Under the ongoing development works, key areas such as the station building, parcel office, and parking lot are being revamped to offer enhanced services and convenience to passengers. Additionally, construction of cover over platform (COP) structures and upgradation of platform flooring are in progress to improve shelter and safety during all seasons. These transformations are a part of the broader vision to provide world-class facilities and modern aesthetics at important stations across the country. Once completed, the upgraded Bargarh Road station will not only improve passenger experience but also contribute to regional connectivity and growth.

Karnataka to Get Two New Rail Lines, Final Surveys Approved

	Survey Routes	Total Length	Total Estimated Cost
01	Alamatti – Yadgir	162 km	₹4.05 Cr
02	Bhadravati – Chikkajajur via Channagiri	73 km	₹1.825 Cr
	Total	235 km	₹5.875 Cr

Source/RSB-In a significant boost to Karnataka's rail infrastructure, the Ministry of Railways has approved the final location surveys for two proposed railway lines — Alamatti to Yadgir and Bhadravati to Chikkajajur via Channagiri. These new lines are expected to enhance regional connectivity and promote faster economic and social development in the state. The proposed routes will play a crucial role in connecting key regions, easing transportation, and unlocking new opportunities for trade and mobility. Minister of State for Railways, Shri V. Somanna, shared the development on social media platform X, highlighting the central government's commitment to addressing Karnataka's growing transportation needs. This approval marks an important step in expanding the state's railway network and is seen as a foundation for future progress in the region.

Shri Panna Lal Assumes Charge as Divisional Railway Manager, Salem Division

Source/RSB- Shri Panna Lal took over charge as Divisional Railway Manager of Salem Division on 15th May 2025, succeeding Shri Pankaj Kumar Sinha as the 9th DRM of the division. Shri Panna Lal belongs to the 1995 batch of IRSE (Indian Railway Service of Engineers) and joined as an Assistant Engineer at Bhimavaram in Vijayawada Division of South Central Railway in 1998. Thereafter, he worked as ADEN (Assistant Divisional Engineer) in Ongole and as XEN (Executive Engineer)/Track in South Central Railway. Subsequently, he worked as Deputy Chief Engineer/Construction in different projects in East Central Railway. Furthermore, he worked as Senior Divisional Engineer in Varanasi Division of North Eastern Railway and as Deputy Chief Engineer/Bridges/Headquarters in North Eastern Railway. Shri Panna Lal also worked as Deputy Chief Engineer in Diesel Locomotive Works, Varanasi for 6 years. Thereafter, he worked as Chief Engineer/Construction in North Eastern Railway for 3.5 years and as Chief Engineer/Station Development and Chief Engineer/Planning & Design in North Eastern Railway. Apart from these, Shri Panna Lal has undergone foreign training at INSEAD / SINGAPORE and ICLIF/MALAYSIA. He has been presented various awards at the General Manager's level

General Manager holds Meeting with Hon'ble MPs in the jurisdiction of Palakkad Division

Source/RSB- In a high-level meeting held on 15.05.2025, General Manager Shri R.N. Singh interacted with Hon'ble MPs representing constituencies under the jurisdiction of Palakkad Division to review completed & ongoing projects. The meeting reflected Southern Railway's commitment to enhancing infrastructure and passenger amenities. Hon'ble MPs present: Shri K. Eswarasamy (Pollachi), Shri K. Radhakrishnan (Alathur), Shri M.K. Raghavan (Kozhikode), Shri Rajmohan Unnithan (Kasaragod), Shri Shafi Parambil (Vadakara), Shri V.K. Sreekandan (Palakkad), Dr. V. Sivadasan, Shri P.P. Suneer, and Smt. P.T. Usha (Rajya Sabha).

Key highlights by constituency:

- **Alathur:** Drinking water at Kollengode, redevelopment at Pudunagaram & Muthalamada, CCTV installations, boundary wall at Kollengode.
- **Palakkad:** 26-coach pit line, new stabling lines, foot overbridges, lifts/escalators, LED lighting, redevelopment at Shoranur, Ottapalam.
- **Kasaragod:** FOBs at Ezhimala, lifts at Charvattur, digital displays at Kanhangad, station upgrades under Amrit Bharat.
- **Kannur:** FOBs, lifts/escalators, platform shelters, water supply, and Amrit Bharat upgrades.
- **Vadakara:** Parking upgrades, high-level platforms, lifts, escalators, public announcement systems.
- **Malappuram:** Improved lighting/parking, crossing stations at Kulukkallur/Melattur, station modernization.
- **Wayanad:** Nilambur–Shoranur electrification, new FOB at Nilambur.
- **Ponnani:** FOB extension at Tirur, station redevelopment, LED lighting, digital boards.
- **Kozhikode:** Second FOB at Kozhikode, parking at Ferok, West Hill upgrades, Amrit Bharat works.
- **Pollachi:** New FOB, platform shelters, goods shed at Madukkarai, station redevelopment.
- **Dakshina Kannada:** 24-coach pit line, yard upgrades at Mangaluru Central/Junction, goods shed at Ullal, Jokatte–Thokkur doubling.

Hon'ble MPs offered valuable suggestions for ongoing and future development.

Shri Arun Kumar Jain, General Manager, SCR Holds Review Meeting on Safety of Train Operations

Source/SCR- Shri Arun Kumar Jain, General Manager, South Central Railway, conducted a detailed review meeting on the safety of train operations across the zone on 13th May 2025, at Rail Nilayam, Secunderabad, along with Principal Heads of Departments. Divisional Railway Managers (DRMs) / Additional Divisional Railway Managers (ADRMs) of all six divisions—Vijayawada, Guntakal, Guntur, Secunderabad, Hyderabad, and Nanded—also participated in the meeting through video conference. Shri Arun Kumar Jain instructed the officials and staff to strictly adhere to safety rules and procedures as per the Railway Board guidelines issued from time to time. He also stressed ensuring safety in train operations and instructed not to follow any shortcut methods. He advised staff to be more vigilant while on duty to avoid any untoward incidents. During the review meeting, Shri Arun Kumar Jain also laid focus on precautions to be undertaken at vulnerable sections, bridges, tunnels, and their maintenance status in view of the approaching monsoon season. The General Manager directed the concerned officials to ensure cleaning and maintenance of side water drains and waterways, provision of additional waterways, etc., to avoid flooding of tracks and ensure the smooth running of trains. He advised the officials and staff to ensure the safe working condition of equipment and undertake all necessary monsoon precautions. Shri Arun Kumar Jain also reviewed the progress of various safety drives being carried out in the zone pertaining to fire safety and signaling systems. He also reviewed the status of comprehensive counseling sessions being undertaken for Loco Pilots/Assistant Loco Pilots and their family members across the six divisions.

'ऑपरेशन सिंदूर' की वीरगाथा को समर्पित भारतीय रेलवे की देशभक्ति से परिपूर्ण पहल

तिरंगे की आभा में रंगे रेलवे स्टेशन, देशभक्ति गीतों से गूंजते परिसर और जन-जागरूकता से भरे आयोजन

सूत्र-रे.स.ब्यू- भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम और बलिदान की अमरगाथा 'ऑपरेशन सिंदूर' को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे ने पूरे देश में एक अनूठी और प्रेरक पहल की शुरुआत की है। इस पहल के तहत रेलवे ने न सिर्फ स्टेशनों को तिरंगे के रंगों से रोशन किया, बल्कि यात्रियों के मन में देशप्रेम की भावना को जागृत करने के लिए विविध आयोजनों की श्रृंखला भी प्रस्तुत की।

राष्ट्रभक्ति की भावना से ओतप्रोत रेलवे स्टेशन

देश के प्रमुख रेलवे स्टेशनों और रेलवे कार्यालयों की इमारतों को इस अवसर पर विशेष रूप से तिरंगे के तीन रंगों केसरी, सफेद और हरे की रौशनी से सजाया गया। रात होते ही जब स्टेशन की दीवारें तिरंगे की छटा बिखेरती हैं, तो वह दृश्य न केवल आँखों को भाता है, बल्कि हृदय को भी गौरव से भर देता है।

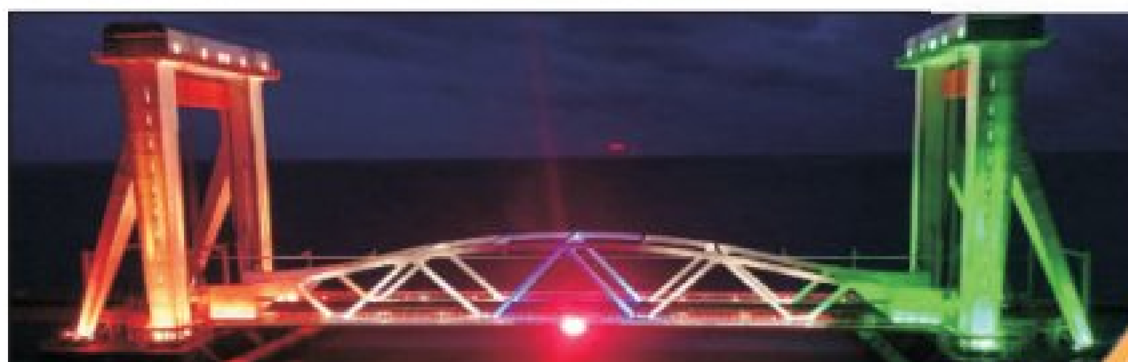

यात्रियों के लिए विशेष आयोजन

रेलवे परिसरों में देशभक्ति गीतों की गूंज, ऑडियो संदेशों और वीडियो प्रोजेक्शन के माध्यम से वीर सैनिकों की कहानियों को यात्रियों तक पहुँचाया जा रहा है। यह भावनात्मक संप्रेषण यात्रियों को न केवल सूचित करता है, बल्कि उन्हें सेना के प्रति सम्मान और कर्तव्य भावना से भी जोड़ता है।

तिरंगा यात्रा और नुक्कड़ नाटकों से फैला राष्ट्रप्रेम

कई स्टेशनों पर रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों, स्काउट्स एवं गाइड्स तथा स्थानीय नागरिकों द्वारा भव्य तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया गया। वहीं, स्काउट्स और गाइड्स के सदस्यों ने नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से यात्रियों को 'ऑपरेशन सिंदूर' की पृष्ठभूमि, भारतीय सेना की वीरता और नागरिकों की जिम्मेदारी से अवगत कराया।

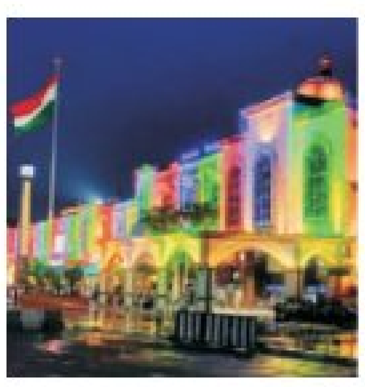

समाज में देशभक्ति का संदेश

भारतीय रेलवे की यह पहल सिर्फ प्रतीकात्मक सजावट तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह एक सशक्त जन-जागरूकता अभियान के रूप में उभरी है। यह आयोजन सेना के वीर जवानों को सम्मान देने के साथ-साथ समाज में कर्तव्यनिष्ठा, बलिदान और राष्ट्रीय एकता के विचार को भी गहराई से स्थापित कर रहा है।

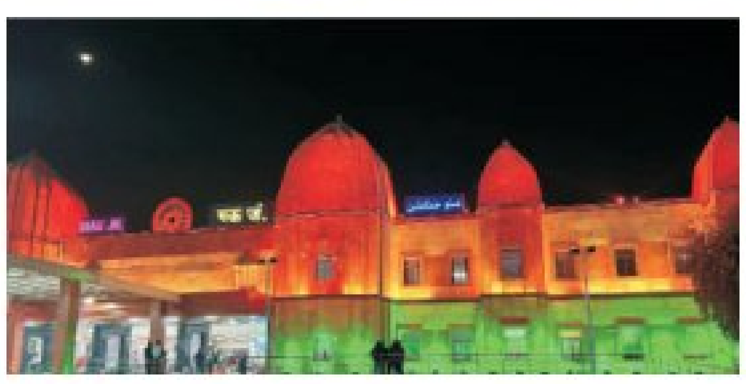

"रेलवे प्रशासन का यह अभिनव प्रयास यह दर्शाता है कि भारतीय रेल सिर्फ एक परिवहन संसाधन नहीं, बल्कि देश की आत्मा को जोड़ने वाली जीवंत शक्ति है"